सी.आई.एस.

सत्रीय कार्य

ज्नवरी 2023

एवं

जुलाई 2023 सत्र

हेतु

रेषम कीट पालन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीआईएस)

(केंद्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय (भारत सरकार) के सहयोग से विकसित)

कृषि विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली–110068

कृषि विद्यापीठ

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय

मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि

पाठ्यक्रम कोड	पीएससी में सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि	
	जनवरी 2023 सत्र	जुलाई 2023 सत्र
बीएलपी 001	30 मार्च 2023	30 सितम्बर 2023
बीएलपीआई 002	30 मार्च 2023	30 सितम्बर 2023
बीएलपीआई 003	30 मार्च 2023	30 सितम्बर 2023
बीएलपी 004	30 मार्च 2023	30 सितम्बर 2023

नोटः

- कृपया, अपना सत्रीय कार्य उपरोक्त तिथि के अनुसार अपने अध्ययन केन्द्र/पीएससी में जमा कराए।

- परीक्षा फार्म जमा कराने से पहले (मार्च और सितम्बर में क्रमशः जून और दिसम्बर सत्रांत परीक्षा हेतु), अनिवाार्य है कि आप जिन पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे उनसे संबंधित सत्रीय कार्य जमा करायें और कार्यक्रम प्रभारी या अध्ययन केंन्द्र/पीएससी के संयोजक से प्रमाणीकरण करायें।

प्रिय शिक्षाार्थी,

''रेशम कीट पालन में प्रमाणपत्र (सी.आई.एस.) कार्यक्रम'' में आपका स्वागत है।

आशा है कि आपने सी.पी.एफ. कार्यक्रम मार्गदर्शिका को अच्छे से पढ़ लिया होगा। सत्रांत परीक्षा (टीईई) की अधिभारिता-80% और सतत् मूल्यांकन (सत्रीय कार्य) की 20% होगी। सैद्धांतिक घटक के साथ प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य है अर्थात् कार्यक्रम में सम्मिलित पाठ्यक्रमों (बी.एल.पी.-001, बी.एल.पी.आई.-002, बी.एल.पी.आई.-003 और बी.एल.पी.-004) के लिए 4 सत्रीय कार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य 50 अंकों का है जो कि अंततः, सैद्धांतिक घटक की 20% अधिभारिता में परिवर्तित होगा। शिक्षार्थियों को सलाह दी जाती है कि आप सर्वप्रथम अध्ययन सामग्रियों का अध्ययन करें और तत्पश्चात् निर्देशों को ध्यान में रख कर सत्रीय कार्य प्रतिक्रिया तैयार करें। आपकी प्रतिक्रियाएं स्व–अध्ययन उद्देश्यों के लिए प्रदत्त पाठ्यपुस्तक सामग्री/खंडों की ज्यों की त्यों नकल नहीं होनी चाहिए। अपनी सत्रीय कार्य प्रतिक्रियाएं निर्धारित तारीख या इससे पहले तक अपने अध्ययन केंद्र/कार्यक्रम अध्ययन केंद्र (पीएससी) में जमा करा दें। सत्रीय कार्यों का मूल्यांकन अध्ययन केंद्र/पीएससी के परामर्शदाताओं द्वारा किया जायेगा और प्राप्त अंकों की अधिभारिता सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के प्रतिशत में जोड़ दी जायेगी। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक शिक्षार्थी को सत्रीय कार्य पूरा करना होगा। इसलिए अपने सत्रीय कार्यों को सजगता से लें और समय पर जमा करायें।

सामान्य निर्देष

1. यदि आप किसी सामान्य निर्देश सत्र की देय तारीख से पहले सत्रीय कार्य जमा नहीं करा पाते तो आपको आगामी सत्रों के सत्रीय कार्य के नये सेट को पूरा करना होगा।
2. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर दाये कोने में अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और प्रेषण की तारीख लिखें।
3. अपनी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के बायें कोने में कार्यक्रम, शीर्षक, पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य कोड, अध्ययन केंद्र कोड के स्थान का उल्लेख करें।

प्रत्येक सत्रीय कार्य के लिए आपकी उत्तर पृष्ठिका के पहले पृष्ठ के सबसे ऊपर का भाग इस तरह होना चाहिएः

पाठ्यक्रम शीर्षक	नामांकन संख्या .....
कार्यक्रम कोड	नाम .....
अध्ययन केंद्र का कोड	पता .....
(स्थान)	तिथि .....

नोट : उपर्युक्त फार्मेट का अनुसरण कड़ाई से करें।

4. आपकी उत्तर पृष्ठिका हर नज़रिए से पूरी होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले आपने सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। अधूरे उत्तर खराब अंक देंगे।
5. जहाँ तक संभव हो पाठ्यक्रम सामग्री के प्रासंगिक बिंदुओं का उल्लेख करें और पाठ्य सामग्री की ज्यों की त्यों नकल लिखने की बजाय अपने उत्तर अपने शब्दों में खोल कर लिखें।
6. सत्रीय कार्य करते समय अध्ययन सामग्री की नकल न मारें। देखा गया है कि सत्रीय कार्यों को पूरा करने के लिए अध्ययन सामग्री की नकल मारी जाती है और इसके लिए शून्य अंक मिलेगा।
7. अन्य शिक्षार्थियों की उत्तर पृष्ठिकाओं से नकल न मारें। यदि ऐसा पाया जाता है तो संबद्ध शिक्षार्थियों के सत्रीय कार्यों को खारिज़ कर दिया जाएगा।
8. अपने उत्तर फुलस्केप साइज़ पेपर पर ही लिखें। सामान्य लेखन पत्र, न अधिक मोटे या पतले, ही कारगर होंगे। सत्रीय कार्य अनिवार्यतया हस्तलिखित ही हों। टंकित सत्रीय कार्य स्वीकार्य नहीं होंगे।
9. प्रत्येक सत्रीय कार्य में बाये और 3 इंच का मार्जन और प्रत्येक उत्तर की समाप्ति के बाद 4 पंक्तियों का फासला देना जरूरी है। प्रत्येक उत्तर की प्रश्न संख्या साफ तरीके से लिखें। सत्रीय कार्य करते समय, कृपया निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।
10. आपके अध्ययन केंद्र/पीएससी के संयोजक आपके मूल्यांकित सत्रीय कार्य आपको लौटा देंगे। सत्रीय कार्यों में आपके निष्पादन पर मूल्यांकन की संपूर्ण टिप्पणियाँ वाली मूल्यांकन पृष्ठिका की प्रति भी सम्मिलित होगी। इससे आप भावी सत्रीय कार्यों एवं सत्रांत परीक्षाओं को अधिक बेहतर तरीके से करने के योग्य होंगे।
11. सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र/पीएससी कार्यक्रम प्रभारी/संयोजक को भेजें।

सत्रीय कार्य करने से पहले निर्देषों को सावधानीपूर्वक पढ़ें।

कार्यक्रम की सफलता हेतु हमारी शुभकामनाएं!

सुखद अध्ययन!

कार्यक्रम संयोजक (सी.आई.एस.)

बी.एल.पी.-001: रेशम उत्पाद का परिचय

कुल अंकः 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1) रेशम उत्पादन को परिभाषित कीजिए। रेशम उद्योग का महत्व बताइये।
2) रेशम उत्पादन में रोजगार सृजित करने की क्षमता है। एक उदाहरण की सहायता से कथन की पुष्टि कीजिए।
3) रेशम उत्पादन के क्षेत्र में उपलब्ध किन्हीं 10 व्यावसायिक अवसरों को उदाहरणों सहित सूचीबद्ध कीजिए।
4) प्रवाह आरेख की सहायता से अबद्ध अंडे के उत्पादन में शामिल विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।
5) प्रवाह आरेख की सहायता से रेशम की रीलिंग प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

बी.एल.पी.आई.-002: पोषक पौधे की कृषि

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1) शहतूत रोपण के प्रसार की विभिन्न विधियों की सूची बनाइए। किसी एक को विस्तार से समझाइए।
2) जैव उर्वरक और हरी खाद में अंतर स्पष्ट कीजिए। सिंचित एवं बारानी दशाओं में अनुरक्षित शहतूत उद्यान के लिए रासायनिक उर्वरक की संस्तुत मात्रा एवं अनुसूची दिजिए।
3) छंटाई को परिभाषित कीजिए। उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण क्षेत्रों में छंटाई के तरीकों की व्याख्या कीजिए।
4) मूगा खाद्य पौधों की खेती और प्रबंधन का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
5) एरंडी खेती की विधि को समझाइए।

बी.एल.पी.आई.-003: रेशमकीट पालन

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1) शहतूत रेशमकीट की वृद्धि अवस्थाएँ क्या हैं? मूगा और एरी रेशमकीटों के जीवनचक्र में अंतर स्पष्ट कीजिए।
2) रेशमकीट के अंडों के प्रबंधन में शामिल चरणों का वर्णन कीजिए।
3) उत्तरावस्था रेशमकीट पालन की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए।
4) ओक तसर रेशम के कीड़ों को पालने की विधि का वर्णन कीजिए।
5) कोया (कोकून) की कटाई के समय और विधियों के बारे में चर्चा कीजिए। किन्हीं पाँच प्रकार के सदोष कोयों की सूची बनाइए।

बी.एल.पी.-004: फसल सुरक्षा/बचाव

कुल अंक : 50

सभी प्रश्नों के उत्तर दिजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है। (5x10=50)

1) शहतूत के किन्हीं दो मृदा जनित रोगों और उनके प्रबंधन की चर्चा कीजिए।
2) शहतूत पीड़कों का वर्गीकरण उपयुक्त उदाहरण के साथ कीजिए। शहतूत कीट के प्रकोप के लिए जिम्मेदार कारकों की पहचान कीजिए।
3) रेशम के कीड़ों में मस्कार्डिन रोग पर एक टिप्पणी लिखिए।
4) ऊजी मक्खी के प्रबंधन का वर्णन कीजिए।
5) इरी रेशमकीट पोषक पादपों के किन्हीं पाँच रोगों और तसर रेशमकीटों के पाँच पीड़कों की सूची बनाइए।